गीताप्रेस का विस्तार अर्थव्यवस्था को देगा रफ्तार

तैयारी

गजाधर द्विवेदी ● जागरण

- गीडा में 82 करोड़ रुपये का निवेश देगा तीन सौ लोगों को रोजगार
- आगामी सौ वर्षों को ध्यान में रखकर किया जा रहा प्रेस का विस्तार

गोरखपुर : आध्यात्मिक साहित्य की धारा को घर-घर तक पहुंचाने वाला गीताप्रेस अब पूर्वांचल की बदलती आर्थिक तस्वीर में भी अपनी मजबूत भूमिका दर्ज कराने की तैयारी में है। गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) क्षेत्र में गीताप्रेस 82 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश करने जा रहा है। इस निवेश के साथ लगभग तीन सौ लोगों को रोजगार मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। गीताप्रेस को उम्मीद है कि क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देने वाली यह पहल जिले की अर्थव्यवस्था में गति का संचार करेगी।

गीताप्रेस के इस विस्तार की योजना को आगामी सौ वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यही वजह है कि गीडा ने प्रेस को 10 एकड़ भूमि आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। भूमि मिलने के साथ ही यहां अत्याधुनिक मशीनें लगाई जाएंगी, जिससे धार्मिक पुस्तकों के उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ने की उम्मीद है। गीताप्रेस को इस परियोजना के लिए चार वर्ष का समय मिला है, जिसके भीतर आधारभूत संरचना और

गीता प्रेस● जागरण

मशीनरी की स्थापना पूरी कर ली जाएगी।

सदी से अधिक समय से आध्यात्मिकता, संस्कार और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने वाली इस संस्था ने देश भर में अपनी पहचान बनाई है।

भगवान श्रीकृष्ण, श्रीराम, भक्तिमार्ग, योग, जीवन मूल्यों और भारतीय संस्कृति से जुड़े ग्रंथ आज भी गीताप्रेस के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहे हैं। इस निरंतर यात्रा के बीच अब आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान का संकल्प इसे और विशिष्ट बनाएगा।

स्थापना काल से ही गीताप्रेस ने स्थानीय स्तर पर रोजगार विकास में अहम भूमिका निभाई है। रोजाना हजारों प्रतियां प्रकाशित कर देश के कोने-कोने में भेजी जाती हैं। नई यूनिट खुलने के बाद रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। प्रेस प्रबंधन का कहना है कि उनका उद्देश्य केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और साहित्य की परंपरा को और सशक्त बनाना है। यदि परियोजना तय समय पर पूरी होती है, तो गीडा में स्थापित यह इकाई न केवल रोजगार का बड़ा केंद्र बनेगी बल्कि गोरखपुर के औद्योगिक इतिहास में भी एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ देगी।

> पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था के महायज्ञ में गीताप्रेस ने भी अपनी आहुति देने की तैयारी की है। गीडा में 82 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। इससे तीन सौ लोगों को रोजगार मिलेगा। धार्मिक पुस्तकों का उत्पादन बढ़ेगा तो पाठकों की मांग पूरी हो सकेगी। भविष्य में निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इससे भारतीय धर्म व संस्कृति पुस्तकों के माध्यम से अनेक देशों तक पहुंच सकेगी।
>
> देवी दयाल अग्रवाल, ट्रस्टी गीताप्रेस।